UNIVERSITY NEWS 25 MARCH 2026

AMAR UJALA

लखनऊ विश्वविद्यालय के टूरिज्म विभाग में प्रोफेशनल कोर्स की होगी शुरुआत

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के टूरिज्म विभाग में छात्रों के लिए एक नया रोजगारपरक कोर्स शुरू किया जा रहा है। कुलपति प्रो. जेपी सैनी की अध्यक्षता में हाल ही में हुई गवर्निंग बोर्ड की बैठक में इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म स्टडीज के तहत बैचलर इन होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी (बीएचएमसीटी) कोर्स को मंजूरी दी गई है। यह कोर्स नए शैक्षणिक सत्र से शुरू होगा और प्रारंभिक तौर पर 60 सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। जरूरत के अनुसार भविष्य में सीटों की संख्या बढ़ाई भी जा सकती है। इस कोर्स के जरिये छात्रों को होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग और पर्यटन उद्योग से जुड़ी आधुनिक व व्यावहारिक ट्रेनिंग दी जाएगी। (माई सिटी रिपोर्टर)

पहले सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने मंगलवार को दिसंबर-2025 परीक्षाओं के कुछ पाठ्यक्रमों के परिणाम घोषित किए। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि एमएससी (सांख्यिकी व बायोस्टैटिस्टिक्स), आचार्य और शास्त्री के प्रथम सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम मंगलवार को जारी किया गया है। सभी विस्तृत परिणाम आधिकारिक वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर उपलब्ध हैं, जहां छात्र-छात्राएं अपने अंक देख सकते हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

एआई से आसानी से मिलेगा रोजगार

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग में भाऊराव देवरस शोध पीठ की ओर से आयोजित सात दिवसीय कार्यशाला का मंगलवार को समापन हो गया। विभागाध्यक्ष प्रो. राम मिलन ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते महत्व पर बात की। डॉ. नरेश चंद्र गुप्ता ने कहा कि एआई और डिजिटल कौशल से आने वाले दिनों में रोजगार मिलना आसान होगा। अतिथि ज्योति गुप्ता ने विचार रखे। वहीं, विज्ञान संकाय के बायोकेमिस्ट्री विभाग में शैक्षणिक व अनुसंधान में एआई के समावेश विषय पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला का समापन हुआ। संकायाध्यक्ष प्रो. शीला मिश्रा ने कहा कि एआई आज हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा बन रहा है। विभाग के डॉ. पुनीत मिश्रा, डॉ. सिद्धार्थ चौरसिया व डॉ. राजेश कुमार गौतम मौजूद रहे। (माई सिटी रिपोर्टर)

AMAR UJALA

लविवि : पढ़ाई के दौरान तीन बेटियों को मिला रोजगार

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में पढ़ाई के दौरान तीन छात्राओं को एक प्रतिष्ठित सीमेंट कंपनी में रोजगार मिला है। विश्वविद्यालय की प्लेसमेंट सेल की ओर से पूर्व में इन छात्राओं के आवेदन लिए गए थे। इसके बाद एक औपचारिक प्रक्रिया के बाद चयन हुआ है।

प्रतिष्ठित सीमेंट कंपनी अल्ट्राटेक में हुआ चयन

लविवि कैंपस प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. अनूप भारतीय ने बताया कि एमएससी भूगर्भ विज्ञान की पढ़ाई करने वाली छात्रा योगिता शुक्ला, मुस्कान गुप्ता और आरुषि सिंह का चयन देश की प्रतिष्ठित सीमेंट कंपनी अल्ट्राटेक में हुआ है। छात्राओं को तीन माह की ट्रेनिंग के दौरान 20 हजार रुपये प्रति माह मिलेंगे। इंटर्नशिप पूरी होते ही 12 महीने के ट्रेनिंग प्रोग्राम के लिए सालाना 5.5 लाख सीटीसी पैकेज मिलेगा।

प्रशिक्षण के बाद बेहतर प्रदर्शन के आधार पर छात्राओं को स्थायी किया जाएगा। तब छह लाख सालाना पैकेज मिलेगा। साथ ही यात्रा व आवास के लिए भत्ता भी मिलेगा। प्रो. अनूप ने बताया कि इन छात्राओं का चयन प्लेसमेंट ड्राइव के चार चरणों में पूरा हुआ। इसमें पहला टेक्निकल टेस्ट, दूसरा एप्टीट्यूड टेस्ट, तीसरा ग्रुप डिस्कशन और चौथा पर्सनल इंटरव्यू कराया गया। (संवाद)

> आने वाले समय में अन्य विद्यार्थियों का भी चयन इसी प्रकार से होगा। इसके लिए कई कंपनियों से संपर्क भी किया गया है। - **प्रो. जेपी सैनी**, कुलपति, लविवि

दो हफ्ते से ज्यादा खांसी होने पर जरूर दिखाएं

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज में टीबी की रोकथाम पर अंतरराष्ट्रीय सेमिनार (हाइब्रिड मोड) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने बताया कि टीबी एक संक्रामक बीमारी है। दो हफ्ते से ज्यादा खांसी होने पर तुरंत डॉक्टर को दिखाना जरूरी है। समय पर जांच और पूरा इलाज करने से इसे ठीक किया जा सकता है। मुख्य वक्ताओं में केंद्रीय औषधीय अनुसंधान संस्थान के के डॉ. अमित मिश्रा, डॉ. विवेक भोसले और किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय के डॉ. राजीव मिश्रा शामिल रहे। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN

एलयू: एलएलबी पांच वर्षीय में क्लैट से होंगे अब प्रवेश

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में आगामी शैक्षिक सत्र 2026-27 से एलएलबी पांच वर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (क्लैट) स्कोर से दाखिले लिए जाएंगे। यदि सीटें बच जाती हैं तभी विश्वविद्यालय अपनी प्रवेश परीक्षा या अन्य विकल्पों पर विचार करेगा। इस निर्णय से विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय स्तर के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को आकर्षित करने में मदद मिलेगी। जिसे विधि संकाय के अध्ययन परिषद की मंजूरी मिल गई है। साथ ही इस प्रस्ताव को आगामी 28 मार्च को प्रस्तावित विद्या परिषद की बैठक में भी संस्तुति के लिए रखा जाएगा।

प्रमुख विधि संस्थानों की तर्ज पर उठाया जा रहा यह कदम: एलयू प्रशासन के अनुसार, अब तक एलएलबी में प्रवेश विवि स्तर पर लिखित परीक्षा की प्रक्रिया से होता था। नए सत्र से क्लैट स्कोर से दाखिला लने की तैयारी है। इससे प्रवेश प्रणाली अधिक पारदर्शी और प्रतिस्पर्धात्मक बनेगी। यह कदम देश के अन्य प्रमुख विधि संस्थानों की तर्ज पर उठाया जा रहा है, जहां पहले से ही क्लैट के माध्यम से प्रवेश होता है। अधिक जानकारी के लिए छात्र-छात्राएं लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट देख सकते हैं।

एलयू में कानून के छात्र अब पढ़ेंगे एआई

लखनऊ। विधि संकाय ने बीते दिनों आयोजित अध्ययन परिषद की बैठक में पाठ्यक्रम में भी बदलाव किया है। एलएलबी तीन वर्षीय और पांच वर्षीय दोनों पाठ्यक्रमों में 'एआई और लॉ' विषय को इलेक्टिव पेपर के रूप में शामिल किया जाएगा। यह चार क्रेडिट का कोर्स होगा, जिसमें छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और कानून के आपसी संबंधों की जानकारी दी जाएगी।

एलयू की तीन छात्राओं को नौकरी मिली

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के केंद्रीय प्लेसमेंट सेल की ओर से आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में एमएससी जियोलॉजी की तीन छात्राओं योगिता शुक्ला, मुस्कान गुप्ता और आरुषि सिंह का चयन अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड में हुआ है। चयन प्रक्रिया में टेक्निकल टेस्ट, एप्टीट्यूड टेस्ट, ग्रुप डिस्कशन और इंटरव्यू शामिल थे। छात्राओं को तीन महीने की इंटर्नशिप में 20,000 मासिक स्टाइपेंड मिलेगा।

DAINIK JAGRAN

एलएलबी इंटीग्रेटेड कोर्स में क्लैट से प्रवेश

विश्वविद्यालय प्रशासन ने नेशनल ला यूनिवर्सिटीज कंसोर्टियम में कराया पंजीकरण

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने विधि संकाय में संचालित पांच वर्षीय एलएलबी इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रम की प्रवेश प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया है। इस बार विश्वविद्यालय कामन ला एडमिशन टेस्ट (क्लैट) के स्कोर से इस पाठ्यक्रम में प्रवेश लेगा। इसमें कुल 120 सीटें हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय ने नेशनल ला यूनिवर्सिटीज (एनएलयू) कंसोर्टियम में विश्वविद्यालय का पंजीकरण भी करा दिया है। वहीं, एलएलएम और नए पाठ्यक्रम बीबीए एलएलबी में लवि की प्रवेश परीक्षा से प्रवेश दिए जाएंगे। मंगलवार को संकाय की बोर्ड आफ स्टडीज की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी भी दे दी है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर जेपी सैनी ने बताया कि अभी तक विधि पाठ्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा से दाखिले लिए जाते हैं। इस बार एलएलबी इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रम में क्लैट स्कोर से प्रवेश लिए जाने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए एनएलयू कंसोर्टियम में फीस जमा कर पंजीकरण कराने के बाद लवि का नाम भी उसमें जुड़ गया है। मंगलवार को इसकी सूचना आ गई है। क्लैट से प्रवेश के बाद भी यदि सीटें खाली रहती हैं तो विश्वविद्यालय के पास प्रवेश परीक्षा से प्रवेश का विकल्प रहेगा।

नए सत्र से बीबीए एलएलबी की भी पढ़ाई: लवि के विधि संकाय में अभी तक एलएलबी तीन वर्षीय, एलएलबी पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड और एलएमएम पाठ्यक्रम संचालित होता है। नए सत्र 2026-27 से बीबीए एलएलबी एकीकृत की पढ़ाई भी शुरू होगी। इसमें 120 सीटों पर दाखिले प्रवेश परीक्षा से लेने की तैयारी है। मंगलवार को हुई बोर्ड आफ स्टडीज की बैठक में इसके पाठ्यक्रम पर चर्चा कर उसे अनुमोदन दिया गया। विभागीय शिक्षकों के अनुसार यह कोर्स पूरी तरह से प्रोफेशनल होगा जो पांच साल यानी 10 सेमेस्टर का होगा। इसे बीबीए और बार काउंसिल आफ इंडिया के मानकों के अनुसार विधि कोर्स को मिलाकर तैयार किया गया है। यह कोर्स छात्र-छात्राओं के लिए रोजगारपरक होगा। बिजनेस के क्षेत्र में होने वाले कानूनी विवाद के निस्तारण में अहम भूमिका भी निभा सकेंगे। इस कोर्स की फीस वित्त समिति की बैठक में तय होगी। विदित हो कि लखनऊ विश्वविद्यालय में तीन वर्षीय एलएलबी में 320, पांच वर्षीय एलएलबी इंटीग्रेटेड में 160 और एलएलएम में 60 सीटें हैं।

लुआक्टमैट से जुड़े छह कालेज, 31 मई आवेदन

नेशनल पीजी कालेज ने स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन प्रक्रिया 31 मई तक बढ़ा दी है। वहीं, कालेज की ओर से आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा लखनऊ यूनिवर्सिटी एसोसिएटेड कालेजेज मैनेजमेंट एडमिशन टेस्ट (लुआवमैट) और लखनऊ यूनिवर्सिटी एसोसिएटेड कालेजेज कामन एंट्रेंस टेस्ट (लुआक्सैट) में शामिल होने के लिए छह कालेजों ने अपना पंजीकरण करा लिया है। प्रवेश परीक्षा की मेरिट और काउंसिलिंग के आधार पर इन सभी में अभ्यर्थी आवंटित किए जाएंगे। कालेज के प्राचार्य प्रो. देवेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि अभी तक यूजी में आवेदन के लिए 21 मार्च तक समय दिया गया था। इसे बढ़ाकर 31 मई कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि कालेजों को लुआवमैट और लुआक्सैट में शामिल होने के लिए 20 मार्च तक अपनी स्वीकृति देने के लिए कहा गया था। अब तक आर्यकुल कालेज आफ एजुकेशन, टी.एस. मिश्रा विश्वविद्यालय, लखनऊ पब्लिक सहित छह कालेज जुड़ गए हैं। अन्य कालेजों को शामिल होने के लिए समय बढ़ाया गया है।

I NEXT

एलयू में कर सकगे पीजी डिप्लोमा इन नेचुरल रिसोर्सेज एंड गवर्नेंस

डिपार्टमेंट ऑफ सोशियोलॉजी के अंतर्गत होगी शुरुआत, 2 सेमेस्टर में होगा कंप्लीट

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (24 March): लखनऊ यूनिवर्सिटी के डिपार्टमेंट ऑफ सोशियोलॉजी में अब स्टूडेंट्स नेचुरल रिसोर्सेज और गवर्नेंस की भी पढ़ाई कर सकेंगे. डिपार्टमेंट की बोर्ड ऑफ स्टडीज की मीटिंग में ये फैसला लिया गया है कि नए सेशन से सोशियोलॉजी के अंतर्गत पीजी डिप्लोमा इन नेचुरल रिसोर्सेज एंड गवर्नेंस की शुरुआत की जाएगी. ये डिप्लोमा 1 साल का होगा, जिसके बाद स्टूडेंट्स को प्लेसमेंट देने पर भी जोर रहेगा. पीजी डिप्लोमा के अंतर्गत प्रैक्टिकल लर्निंग और हैंड्स ऑन ट्रेनिंग पर जोर रहेगा, इसके साथ ही ये डिप्लोमा ओपन फॉर ऑल रहेगा. एक्जीक्यूटिव काउंसिल से पास होने के बाद इस कोर्स में एडमिशन का नोटिफिकेशन भी जारी किया जाएगा.

इतनी सीट्स पर होंगे एडमिशन

सोशियोलॉजी डिपार्टमेंट के हेड प्रो. पीके गुप्ता ने बताया कि पीजी डिप्लोमा इन नेचुरल रिसोर्सेज एंड गवर्नेंस के अंतर्गत इस साल में 30 सीटों पर एडमिशन लेने का प्लान है, जिसमें डिपार्टमेंट का कोई भी स्टूडेंट एडमिशन ले सकेगा. वहीं, बात करें फीस की तो कोर्स में 2 सेमेस्टर होंगे और पर सेमेस्टर फीस लगभग 10,000 रुपए रहेगी. एक्जीक्यूटिव काउंसिल में पास होने के बाद फीस क्लियर हो जाएगी. प्रो. गुप्ता का कहना है कि कोर्स के अंतर्गत प्रैक्टिकल लर्निंग पर जोर रहेगा.

4 गांव लेंगे गोद, स्कॉलर्स फैलाएंगे अवेयरनेस

सोशियोलॉजी डिपार्टमेंट इस साल 4 गांव गोद लेने की प्लानिंग कर रहा है, जहां पर डिपार्टमेंट के रिसर्च स्कॉलर्स जाकर सोशल इश्यूज के प्रति लोगों को अवेयर करने का काम करेंगे. इससे न सिर्फ लोगों के बीच अवेयरनेस आएगी बल्कि स्कॉलर्स भी सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के बारे में जानेंगे और इस दिशा में कदम आगे बढ़ाएंगे. करियर कांउसिलिंग का काम भी करेंगे, जिससे गांव के बच्चे भी हायर एजुकेशन की तरफ कदम बढ़ाएं.

TIMES OF INDIA

LU students decode animal behaviour via reels

Anjanaya Singh | TNN

Lucknow: Have you ever heard of memes and reels being part of an academic assignment?

If not, Lucknow University is setting a trend.

The department of zoology has assigned MSc first-year students in animal behaviour and chronobiology a unique task—to create reels and memes illustrating fascinating animal behaviour.

Students have been busy turning the animal kingdom into content.

Students captured visuals in the garden, while others created reels at home, and some even acted as birds and insects, combining fun and learning.

SETTING A TREND

For example, in seahorses, where males give birth, students have created a video where the female seahorse asks, what can you do for me in love, and the male seahorse replies, have babies for you.

Small male grasshoppers sit on the back of a larger female grasshopper. The technique is called mate guarding (preventing rivalry): because female grasshoppers are larger, more fertile, and fewer in number during peak season, competition among males is intense. The male rides the female to defend his position and prevent other males from attempting to fertilise her. The students have created a meme titled "My girl on a bar's night out".

The crown jewel, a riotous cuckoo bird reel, shows the ultimate takeover strategy-first snatch the nest, then hog all the food, and finally kick out the original eggs—because why settle for snacks when you can have the whole crib? And just like that, the tiny intruder grows full-sized in a matter of weeks. Who knew studying insects, birds, and animals could feel like a video where the villain wins?

Professor, zoology department, Geetanjali Mishra, and the brain behind the assignment, said, "This idea, guided by assistant professor Aakansha Sharma and professor Shalie Malik, builds on what we have done in the past. We usually see memes and reels related to animal behaviour online, so we thought, why not assign students to create their own?"

The response has been very encouraging. Students are engaging with the material deeply. Creating content makes them research accurately, understand the behaviour, and then communicate it visually. It is a blend of education, creativity, and technology, added Geetanjali Mishra.

A student of MSc first-year, Payal Chaudhary, said, "Creating a meme was hilarious. Figuring out a funny way to show what I learned made the lessons stick in my mind better than any textbook could."

AMRIT VICHAR

अनार के दानों की झिल्ली लंग्स कैंसर के इलाज में कारगर

- लविवि के प्राणी विज्ञान विभाग में किया गया शोध
- छात्रा डॉ. प्रियंका अग्रवाल के शोध पर पेटेंट भी मिला

मार्कण्डेय पाण्डेय, लखनऊ

अमृत विचार: दाडिमं मधुरं स्निग्धं दीपनीयं रुचिप्रदम् आकर्षेद मे दाडिम अनार को कहा गया है। मीठा और स्निग्ध हल्का अनार वात, पित्त और कफ दोषों को संतुलित करता है। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राणी विज्ञान विभाग में हुए शोध में अनार से फेफड़ों के कैंसर जैसी बीमारी की रोकथाम में सहायक होने के परिणाम सामने आए हैं। अंतिम स्टेज में पता चलने वाली लंग्स कैंसर की बीमारी में प्रयोग होने वाली दवा ''डाक्सोरूबिसिन'' की कार्यक्षमता को अनार कई गुना बढ़ा देता है। डॉ. प्रियंका अग्रवाल के इस शोध पर पेटेंट भी हासिल हो गया है।

विश्वविद्यालय के प्राणी विज्ञान विभाग के शोध में पाया गया है कि अनार के दानों की पीले रंग की झिल्ली फेफड़े के कैंसर (लंग्स कैंसर) की कोशिकाओं को बढ़ने से रोकने में सक्षम है। शोध के लिए पुणे के नेशनल सेंटर फॉर सेल साइंसेज से फेफड़े के कैंसर की ए-549 कोशिकाएं मंगवाई गईं। अनार की झिल्ली को सुखाकर 100 प्रतिशत इथेनॉल में इसका अर्क (एब्स्ट्रैक्ट) तैयार किया गया। जिससे इथेनॉल में घुलने वाले सारे तत्व इसमें आ जाएं। शोध के दौरान जांच में सामने आया कि इस अर्क में ''5-हाइड्रोक्सीमेथिलफर्फुरल'' नामक तत्व की मात्रा सबसे अधिक (65 प्रतिशत) है, जो कैंसर कोशिकाओं के विरुद्ध बेहद प्रभावी है।

इस तरह हुआ मिश्रण तैयार

- दो तरह के मिश्रण तैयार किए गए, जिसमें पहले मिश्रण में 35 माइक्रोग्राम अर्क के साथ 1.2 माइक्रोग्राम दवा दी गई तो 65 प्रतिशत कैंसर कोशिका नष्ट हो गईं। जबकि दूसरे मिश्रण में 44 माइक्रोग्राम अर्क के साथ 1.5 माइक्रोग्राम दवा देने पर 77 प्रतिशत कैंसर कोशिका खत्म हो गईं।

अनार की झिल्ली के अर्क का कमाल

- कैंसर प्रभावित कोशिकाओं पर जब 35 माइक्रोग्राम प्रति एमएल की डोज दी गई, तो इसने लगभग 41 प्रतिशत कैंसर कोशिकाओं को नष्ट कर दिया। इसके अलावा जब इस अर्क (एब्स्ट्रैक्ट) को कैंसर की दवा ''डाक्सोरूबिसिन'' के साथ मिलाया गया, तो इसकी मारक क्षमता कई गुना बढ़ गई।

प्रयोगशाला में शोधकार्य करती डॉ. प्रियंका अग्रवाल।

उपचार में कोई साइड इफैक्ट नहीं

- इस शोध की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह घातक मिश्रण केवल कैंसर की कोशिकाओं पर प्रहार करता है और शरीर की सामान्य कोशिकाओं को कोई नुकसान नहीं पहुंचाता। आमतौर पर कीमोथेरेपी के दौरान स्वस्थ कोशिकाएं भी नष्ट हो जाती हैं, लेकिन अनार की झिल्ली का यह प्राकृतिक गुण इस जोखिम को कम कर सकता है।

निष्कर्ष

- मुख्य तत्व 5-हाइड्रोक्सीमेथिलफर्फुरल (65 प्रतिशत) दवा के साथ मिलकर 77 प्रतिशत तक कैंसर कोशिकाओं को खत्म करने की क्षमता रखता है जो पूरी तरह सुरक्षित बिना किसी दुष्प्रभाव के युक्त है।